भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 472

जिसका उत्तर 06 फरवरी, 2025 को दिया जाना है।

.....

तमिलनाडु में भूजल संसाधन

472. श्री रॉबर्ट ब्रूस सी.:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में भूजल संसाधनों को बेहतर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

जल राज्य का विषय है और भूजल प्रबंधन की जिम्मेदारी, जिसमें भूजल संसाधनों में सुधार के लिए पहल करना शामिल है, मुख्य रूप से राज्य सरकारों की होती है। केंद्र सरकार अपनी विभिन्न परियोजनाओं और योजनाओं के माध्यम से तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करके राज्यों के प्रयासों को पूरा करती है। हालाँकि, केंद्र सरकार ने देश के भूजल संसाधनों के सतत प्रबंधन की दिशा में कई कदम उठाए हैं, जिनमें तमिलनाडु का तिरुनेलवेली जिला भी शामिल है और उनमें से कुछ महत्वपूर्ण कदम नीचे दिए गए हैं:

i. सरकार वर्ष 2019 से देश में जल शक्ति अभियान (जेएसए) लागू कर रही है जो वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए एक मिशन मोड और समयबद्ध कार्यक्रम है। वर्तमान में, जेएसए 2024 पूरे देश में चल रहा है। जेएसए एक अम्ब्रेला अभियान है जिसके तहत विभिन्न केंद्रीय और राज्य योजनाओं के साथ मिलकर भूजल पुनर्भरण और संरक्षण से संबंधित विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। पिछले 3 वर्षों में, तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में जेएसए के तहत कुल 16,309 जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण पूरा हो चुका है/चल रहा है।

ii. तमिलनाडु सहित देश के संपूर्ण मानचित्रण योग्य क्षेत्र के लिए राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण अध्ययन किए गए हैं। तिरुनेलवेली जिले के कुल मानचित्रण योग्य क्षेत्र को राष्ट्रीय जलभृत मानचित्रण और प्रबंधन कार्यक्रम (एनएक्यूयूआईएम) के अंतर्गत कवर किया गया है। मांग और आपूर्ति पक्ष आधारित दोनों उपायों के लिए सिफारिशें शामिल करते हुए जिलावार भूजल प्रबंधन योजनाएँ तैयार की गई हैं तथा कार्यान्वयन के लिए राज्य और जिला अधिकारियों के साथ साझा की गई हैं।

iii. देश के गतिशील भूजल संसाधनों का वार्षिक मूल्यांकन केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और संबंधित राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। वर्ष 2024 के नवीनतम आकलन के अनुसार, भूजल दोहन का चरण, जो वार्षिक दोहन योग्य भूजल संसाधन पर सभी उपयोगों (सिंचाई, औद्योगिक और घरेलू उपयोग) के लिए वार्षिक भूजल निष्कर्षण का एक माप है, तिरुनेलवेली जिले के लिए 43% है, जो दर्शाता है कि जिला 'सुरक्षित' श्रेणी में है।

iv. भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के लिए मास्टर प्लान- 2020 को राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के साथ मिलकर तैयार किया गया है, जिसमें परियोजना की विस्तृत रूपरेखा और अपेक्षित निवेश उपलब्ध कराए गए हैं। मास्टर प्लान में देश में लगभग 1.42 करोड़ वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण की परिकल्पना की गई है, ताकि 185 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) पानी का दोहन किया जा सके। मास्टर प्लान को उपयुक्त उपायों के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है। तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले के लिए कुल 5,207 वर्षा जल संचयन और कृत्रिम पुनर्भरण संरचनाओं की सिफारिश की गई है।

v. भारत सरकार द्वारा मिशन अमृत सरोवर की शुरुआत की गई थी जिसका उद्देश्य तमिलनाडु सहित देश के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 जलाशयों का विकास और पुनरुद्धार करना था। परिणामस्वरूप देश भर में लगभग 69,000 अमृत सरोवर का निर्माण/पुनरुद्धार किया गया है, जिनमें से 70 तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में हैं।

vi. भूजल स्तर में उतार-चढ़ाव की निगरानी के लिए तिरुनेलवेली जिले में कुल 31 डिजिटल जल स्तर रिकॉर्डर (डीडब्ल्यूएलआर) लगाए गए हैं और गुणवत्ता निगरानी सुविधाओं वाले 2 डीडब्ल्यूएलआर लगाए गए हैं। उक्त डीडब्ल्यूएलआर का डेटा नियोजन और प्रबंधन के लिए राज्य सरकार के साथ साझा किया जा रहा है।

vii. केंद्रीय भूजल बोर्ड स्थानीय भूजल मुद्दों पर विभिन्न सार्वजनिक संपर्क कार्यक्रम (पीआईपी), जन जागरूकता कार्यक्रम (एमएपी), टियर II और टियर-III कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें जल प्रदूषण के प्रभावों के बारे में जनता को शिक्षित करना और जल गुणवत्ता बनाए रखने के लिए टिकाऊ तरीकों को बढ़ावा देना शामिल है। तिरुनेलवेली जिले में अभी तक दो पीआईपी आयोजित किए जा चुके हैं।

viii. इसके अलावा, तमिलनाडु के जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार ने तिरुनेलवेली जिले में गदनान्धी उप बेसिन और थामिराबारानी उप बेसिन में 21 चेक डैम और एक-एक कृत्रिम पुनर्भरण संरचना का निर्माण किया है।

*****